राइट्स
इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञ

राजभाषा अनुभाग, निगमित कार्यालय

शिखर, गुरुग्राम

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती

जन्म

31 जुलाई, 1880

मृत्यु

8 अक्टूबर, 1936

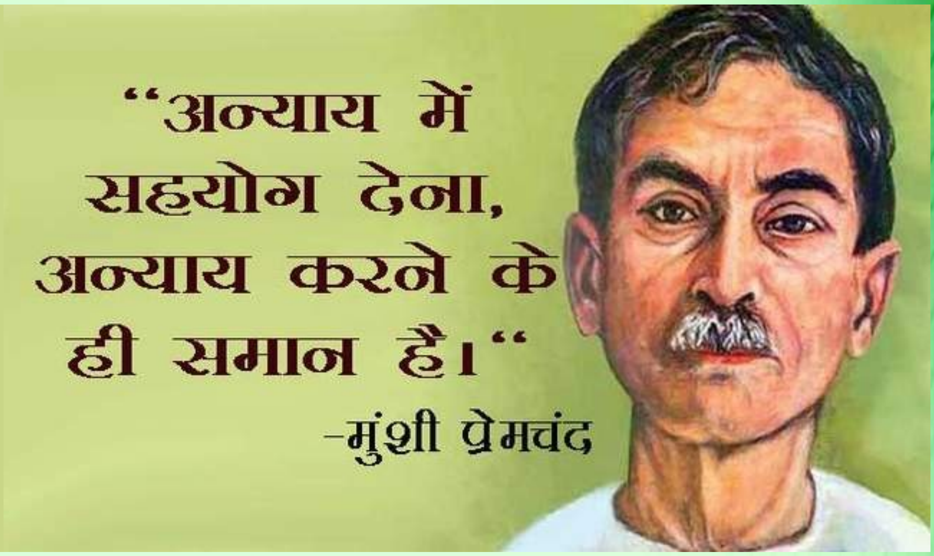

प्रेमचंद का जन्म वाराणसी के पास लमही में हुआ था। इनका वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। लेखन के शुरुआती दौर में नवाब राय के नाम से उर्दू में लिखा। सोज़े-वतन रचना पर अंग्रेज़ों द्वारा पाबंदी लगाए जाने के बाद प्रेमचंद के नाम से हिंदी में लेखन आरंभ किया। उनकी अभूतपूर्व रचनाओं के लिए हिंदी साहित्य में वर्ष 1918 से 1936 तक का समय 'प्रेमचंद युग' के नाम से जाना जाता है। साहित्य के क्षेत्र में आदर्शोन्मुख यथार्थवाद के प्रणेता मुंशी प्रेमचंद की कहानियां ईदगाह, बूढ़ी काकी, पंच परमेश्वर, नमक का दारोगा, पूस की रात, कफ़न आदि आज भी प्रासंगिक हैं। इन कहानियों को मानसरोवर शीर्षक से 8 भागों में प्रकाशित किया गया है। ये रचनाएं निगमित कार्यालय के पुस्तकालय में सुधी पाठकों के लिए उपलब्ध हैं।

अविस्मरणीय उपन्यास